

10/12/87

आज्ञा/अध्याय

दिनांक 5.12.87 को प्राधिकरण कार्यालय में ~~आपकी~~ आपकी अध्यायन में हुयी बैठक का कार्यावली आपके अनुमोदनार्थ स्वयं हस्ताक्षर हेतु प्रस्तुत है।

दिनांक: 8.12.87



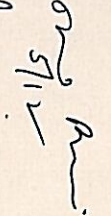


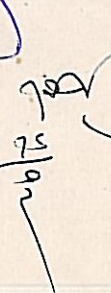
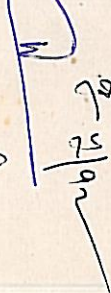
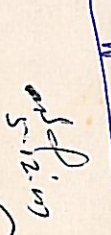
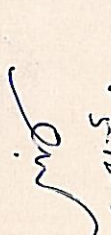
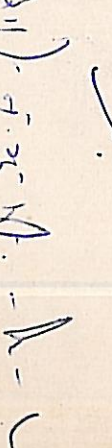
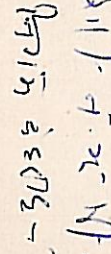
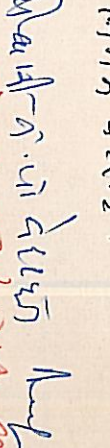
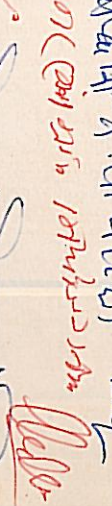
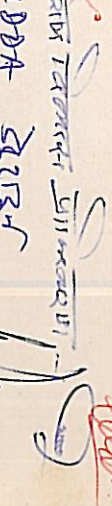
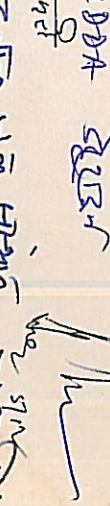
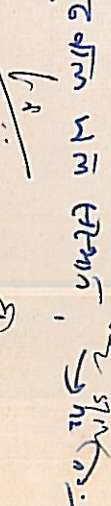





उप-अध्यक्ष
अध्यक्ष

18/12/87

प्राधिकरण की बैठक

- 1- श्री एस.एस.पिंगली
- 2- श्री प्रताप सिंह, उप
- 3- सुश्री विभापुरी, जिना
- 4- श्री हीराट सिंह बि
- 5- श्री शंकर अग्रवाल, सं
आवास अनुभाग-1, न
- 6- श्री उमरानंद. आ
- 7- श्री इमरान इरा
- 8- श्री जग. बोरान
- 9- श्री म. म. म.
- 10- श्री अ. अ.
- 11- ~~श्री अ. अ.~~ श्री अ. अ.
- 12- श्री अ. अ.
- 13- श्री अ. अ.
- 14- श्री अ. अ.
- 15- श्री अ. अ.
- 16- श्री अ. अ.
- 17- श्री अ. अ.
- 18- श्री अ. अ.
- 19- श्री अ. अ.
- 20 - श्री अ. अ.
- 21 -
- 22 -

प्राधिकरण की बैठक दिनांक 5-12-87 में माननीय सदस्यों की उपस्थिति :-

- 1- श्री एस0 एस0 गंगानी, आयुक्त/अध्यक्ष, गढ़वाल मंडल, 
- 2- श्री प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष, मंडेरो विभाग । 
- 3- सुश्री विभापुरी, जिलाधिकारी, देहरादून । 
- 4- श्री हीररा सिंह बिजेट, नगर विधायक । 
- 5- श्री श्रीक अग्रवाल, संयुक्त सचिव, उ0प्र0 शासन, आवास अनुभाग-1, लखनऊ । 
- 6- श्री उत्तम चंद शर्मा, वरिष्ठ सार्वजनिक अधिकारी 
- 7- श्री इमरुद्दीन अहमद आंसारी, आयुक्त 
- 8- श्री राज. चौधरी, जनसंपर्क अधिकारी 
- 9- श्री एस. एस. शर्मा 
- 10- ~~श्री~~ श्री अशोक कुमार शर्मा, जिलाधिकारी, नगर प. - 11- 
- 11- ~~श्री~~ श्री अशोक कुमार शर्मा - अधि. अधि. जिलाधिकारी, देहरादून - 
- 12- ए. ए. शर्मा 
- 13- **श्री राजेश्वरी देवी** 
- 14- **श्री अशोक शर्मा** 
- 15- **श्री ए. ए. शर्मा** 
- 16- श्री ए. ए. शर्मा 
- 17- श्री अशोक शर्मा 
- 18- श्री अशोक शर्मा 
- 19- श्री ए. ए. शर्मा 
- 20- श्री चक्रवर्ती 
- 21- 

मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण की दिनांक 5.12.87 की प्राधिकरण
कायलिय में हथुी बैठक की कार्यवाही :-

उपस्थिति :-

- 1- श्री एसएस0 पांगली, आतुक्त गढवाल मण्डल - उपस्थित
- 2- श्री प्रताप सिंह, -उपस्थित
- 3- कुं0 बिभा पुरी, जिला मजिस्ट्रेट, देहरादून -सदस्य
- 4- श्री रांकर अग्रवाल, संयुक्त सचिव, 30प्र0 शासन लयन्क । -सदस्य
- 5- श्री दीरा सिंह बिन्द, नगर विभायक, देहरादून -सदस्य
- 6- श्री के0सी0 धपलियाल, प्रतिनिधि मुख्य बन-सदस्य
सदस्य, देहरादून । प्रतिनिधि सदस्य
- 7- श्री डुल्लभ रदयान, प्रतिनिधि प्रमुख अभियन्ता प्राधिकरण, देहरादून । प्रतिनिधि सदस्य
- 8- श्री एसके0 भाग, बरिष्ठ नगर नियोजक, नगर स्वयं शास्त्र नियोजन विभाग, 030प्र0, लयन्क । प्रतिनिधि सदस्य
- 9- श्री रनवी0 सिंह, जनरल मैनेजर, उद्योग विभाग, देहरादून । सदस्य

विवरण आयाम

- 1- श्री एस0पी0 उनिवाल, संयुक्त प्राधिकरणी नगर भूमि नियोजन, देहरादून ।
- 2- श्री डी0के0 गणत, अधिशासी अभियन्ता, जल नियम, देहरादून ।
- 3- श्री एस0सी0 दुबे, अधिशासी अधिकारी, नगर प्राधिकरण, देहरादून ।
- 4- राज कौं रतन सहस्रकत नगर नियोजक, गढवाल सम्भाग, देहरादून ।
- 5- श्री एकता नारायण नियम, महापुरुबन्धक, गढवाल जल संस्थान, देहरादून ।
- 6- श्री आर0पी0 सिंह, सचिव, दून वाटी विभायक विकास प्राधिकरण, देहरादून
- 7- श्री के0रल0 साह, निदेशक, पर्यटन, मसूरी ।
- 8- श्री विनोद भाग, कारगनाधिकारी, मसूरी ।
- 9- श्री के0के0 भाग, क्षेत्रीय अधिकारी, मसूरी ।

अन्य उपस्थिति उपस्थित :-

- 1- श्री एस0डी0 चौबे, सचिव, मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण, देहरादून ।
- 2- श्री डी0एस0 मनराल, संयुक्त सचिव, मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण, देहरादून ।

any

दिनांक 5.12.87 की ~~से~~ मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण की बैठक का
कार्यवृत्त ।
=====00000=====

2084

^{हस्ताक्षर}
प्राधिकरण के नये सदस्य कु० विभा गुरी, जिलाधिकारी, देहरादून
का स्वागत किया गया व फिर ~~हस्ताक्षर~~ पिछली बैठकों की अनुपालन आस्था
पट्टी गयी। ~~प्राधिकरण~~ ने निम्नलिखित निर्देश दिए ।

पिछली बैठकों के लक्षित बिन्दु :-

11। गांव सभाओं की भूमि पर अतिक्रमण रोकने व उसके सुनियोजित
उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए गांव सभाओं की भूमि का सर्वेक्षण अपर
जिलाधिकारी से शीघ्र पूरा कराया जाय। यँकि यह बात पिछली कई बैठकों
में सुझाई जाती है रही है अतः जिलाधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट
करते हुए उनसे यह कार्य अगली बैठक तक पूरा करने के लिए कहा गया ।

कार्खवाही जिलाधिकारी।

12। गांव सभाओं की भूमि पर हुए अनधिकृत निर्माणों की सूची
जिलाधिकारी को भेज दी गयी है। उन्होने बताया कि धारा 145(1)सी 1
के मुकदमें ~~के~~ दर्ज किए जा रहे हैं। वे राजस्व नियमों के अन्तर्गत कार्खवाही कर
अगली बैठक में अवगत कराए ।

कार्खवाही जिलाधिकारी।

13। प्राधिकरण को यह बताया गया कि गांव सभाओं की भूमि पर
पटवारी या प्रधानों द्वारा गलत पट्टे परिवार कल्याण कार्यक्रम की आड़ में
ऐसे व्यक्तियों को दिए झर गए हैं या खिसे जा रहे हैं जो उनके पत्र नही
है और सरकारी कर्मचारी भी इस सुविधा का अनुचित लाभ उठा रहे हैं।
इसके अलावा पट्टे ऐसी भूमि पर दिए जा रहे हैं जो मास्टर प्लान के अनुसार
ग्रीन बेल्ट या कृषि क्षेत्र हैं जहाँ भवन निर्माण नहीं हो सकता । ऐसे पट्टों
के आधार पर बिना मानचित्र व भू-विन्यास स्वीकृत कराए अस्त-व्यस्त रूप
से मकान बन रहे हैं और अनधिकृत कालोनीय या बस्तियां जन्म ले रही हैं
जबकि शासन की नीति है कि अब और इस प्रकार की बस्तियों का विस्तार
न हो। अतः जिलाधिकारी से अनुरोध किया गया कि वे इसकी जांच कर ~~के~~ ~~अ~~
यह सुनिश्चित करें कि पट्टे पत्र व्यक्तियों को ही नियमानुसार सक्षम अधिकारी
द्वारा दिए जायं और जिस क्षेत्र या भूमि में पट्टे दिया जाना प्रस्तावित हो
उसका भू-विन्यास व भू-उपयोग पहले प्राधिकरण से अनुमोदित करा लिया जाय ।

प्राधिकरण व राजस्व विभाग का इस कार्य में समन्वय होना अनिवार्य है।
 प्राधिकरण व राजस्व विभाग का इस कार्य में समन्वय होना अनिवार्य है।
 अगली बैठक में कृत कार्यवाही रखे से अवगत कराया जाय ।

कार्यवाही जिलाधिकारी ।

141 ग्रामीण आवादी के चारों ओर लाल डोरा खींचना इस जनपद में व्यवहारिक नहीं पाया गया क्योंकि गांवों में आवादी एक जगह न होकर फैला हुआ होता है। अतः नगर क्षेत्र के निकट के गांवों को पहले लेते हुए उनके सजरा नक्शों से चारों ओर आवादी के आधार पर गांव की आवादी का क्षेत्र अंकित कर दिया जाय। यह कार्य एक सप्ताह में पूरा करने के लिए श्री आर०पी० सिंह सचिव, दून राष्ट्रीय विधायक क्षेत्र विकास प्राधिकरण को निर्देशित किया गया। वे तीन चरणों में (1) बन्दोबस्ती आवादी (2) 356-1359 फसली में दर्ज आवादी (3) व उसके बाद बची आवादी को नक्शों में दिखायें क्योंकि बन्दोबस्ती आवादी का ही आधार अब काफी नहीं है। इसके बाद वे अन्य गांवों के संबंध में यह कार्य पूरा करेंगे। इस प्रकार प्रत्येक गांव की आवादी का क्षेत्र निर्दिष्ट कर लिया जाएगा।

कार्यवाही श्री आर०पी० सिंह ।

151 अगर जिलाधिकारी उन गांवों की सूची तैयार करेंगे जिन्हें प्राधिकरण की सीमा से हटाना उचित है वे प्रत्येक गांव के संबंध में कारण भी व्यक्त करेंगे।

कार्यवाही जिलाधिकारी ।

161 देहरादून की महायोजना को रेवन्यू मानचित्र में दिखाने के कार्य में कोई प्रगति नहीं पायी गयी। जबकि जिलाधिकारी ने सहमति प्रकट कर दी थी कि प्राधिकरण क्षेत्र में पड़ने वाले गांवों के सजरा प्लान की फोटो कापी कराने में वे सहयुक्त नगर नियोजक को सहायता देंगे। उपाध्यक्ष ने इस कार्य में होने वाले व्यय के भुगतान की समस्या भी हल कर दी है। अतः यह कार्य अब संयुक्त सचिव विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाय। प्रत्येक गांव के सजरा प्लान की दो फोटो कापीयां बनाई जाय - एक प्राधिकरण काचलिय के लिए व एक सहयुक्त नगर नियोजक को दी जाय।

कार्यवाही संयुक्त सचिव, विकास प्राधिकरण ।

171 सम्पत्ति सं० 69 व 71 राजपुर रोड के बारे में प्रस्तुत ले आऊट व अन्य बदली हुयी स्थिति पर विचार कर यह निर्देश दिए गए कि इस भूमि का उपयोग आवासीय व व्यावसायिक दोनों रखा जाय। संयुक्त सचिव नगर

विकास विभाग ने आग्रवासन दिया कि वे भू-उपयोग परिवर्तन का प्रस्ताव प्राप्त होने पर एक सप्ताह में संशोधित विनियम जारी करवा दें। तदनुसार आसन को प्रस्ताव भेजा जाय। इस बीच आफर्स भी आमंत्रित कर ली जाय।

कार्थवाड़ी संयुक्त सचिव विकास प्राधिकरण/
नगर विकास विभाग, कन्नूर।

181 अजयपुरकलां में शेलकूट के मैदान के रूप में विकसित करने की भूमि के अलावा अन्य भूमि पर आवासीय योजना हेतु सर्वेक्षण कार्य अगली बैठक तक पूरा किया जाय।
कार्थवाड़ी नगर नियोजक।

(9) 26:9.87 की बैठक के लम्बित बिन्दु।

मानचित्रों के निस्तारण का प्रगति का अवलोकन किया गया।
फिखली बैठके बाद लम्बित मानचित्रों की संख्या बढ़ गयी है। इसका कारण यह बताया गया कि उपाध्यक्ष द्वारा नगर नियोजक को यह कार्य सौंपे जाने के बाद भी वे यह कार्य नहीं कर रहे हैं। प्राधिकरण ने मानचित्रों के निस्तारण में सीलिंग से अनापत्तिक प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए नगर नियोजक द्वारा प्रस्तावित प्रक्रिया पर विचार किया और सीलिंग से संबंधित शासनदेशों व स्वीकृत निदेशक नगर भूमि सीमारोपण द्वारा बताया गयी स्थिति पर विचार करने के उपरान्त यह निर्देशा दिए कि प्रत्येक मामले को सीलिंग विभाग को भेजना अनिवार्य नहीं है तथा शायद पत्र व इन्टैमिनिटी बाण्ड ले लेना पर्याप्त है। इसी प्रकार लयनरु विकास प्राधिकरण की प्रक्रिया को भी खड़ा लागू करना उचित नहीं समझा गया। नगर नियोजक को निर्देशा दिए गए कि वे इस प्राधिकरण में अब तक चली आ रही प्रक्रिया के अनुसार मानचित्रों का शीघ्र निस्तारण करें।

कार्थवाड़ी नगर नियोजक।

111 अगली बैठक में मानचित्रों के निस्तारण का प्रगति का विवरण देते समय यह भी दिखाया जाय कि दो माह से अधिक पुराने मानचित्र कितने हैं व कब से लम्बित है।
कार्थवाड़ी सचिव।

भूमि की अधिग्राहित की कार्यावाही भी अभी से प्रारम्भ कर दी जाय ।

काठवाही सदमुकत नगर निगमिक व परगनाधिकारी मसुरी ।

विषय क्रमांक :- 4 :-

59/4, राजपुर रोड पर होटल की स्वीकृति के संबंध में पुनः विचारःहः

विचार हेतु ।

आवेदक द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण पर विचार करने के उपरान्त सर्व-सम्पत्ति से मानविद्य अस्वीकृत करने का निर्णय हुआ क्योंकि राजपुर रोड के इस भाग को और अधिक व्यस्त करना उचित नहीं समझा गया और यह क्षेत्र और व्यवसायिक भी नहीं है। आवेदक को तदनुसार सूचित कर दिया जाय ।

काठवाही सचिव ।

विषय क्रमांक :- 5 :-

तिब्बती मार्केट पर दुकानों के निर्माण की अनुमति तथा स्टेडियम के निर्माण पर विचार :-

अधियासी अभियन्ता साठनिविओ द्वारा स्टेडियम के निर्माण हेतु तैयार किए गए ले आऊट व उनके पत्र का अवलोकन किया गया । सर्व-सम्पत्ति से निर्णय हुआ कि इस ले-आऊट/प्लान के अनुसार स्टेडियम का निर्माण साठनिविओ द्वारा किया जाय और स्टेडियम हेतु जो धन भासन से प्राप्त हुआ है उसका इस कार्य हेतु प्रयोग किया जाय ।

काठवाही अधियासी अभियन्ता, साठनिविओ/जिलाधिकारी ।

सर्व-सम्पत्ति से यह भी निर्णय हुआ कि स्टेडियम का मामला इस प्रकार तय हो जाने पर अब यहां पूर्व प्रस्तावित छोटी-छोटी दुकानें भी बनायी जाय ताकि जो लोग यहां बहुत पहले से अनधिकृत रूप से बैठते आ रहे हैं और किसी और जगह से हटाय गए हैं उन्हें यह दुकानें उचित मूल्य/किराए पर दी जा सकें। ये दुकानें निर्धारित साईज के प्लेटफार्म बनाकर दी जा सकती हैं ताकि उनके अपार के तल का भी सदुपयोग हो सके। तदनुसार एक डिजायन/प्लान बनाकर अध्यक्ष का अनुमोदन ले लिया जाय ।

काठवाही अधियासी अभियन्ता, विकास प्राधिकरण ।

।स। वृत्तिक उपरोक्तानुसार स्टेडियम के निर्माण के वर्तमान स्थान पर खुली हो रही बसों के लिए अन्यत्र व्यवस्था करनी होगी अतः बसों के लिए स्थल चयन हेतु निम्नलिखित कमेटी बनायी गयी :-

- 1- अधिशासी अभियन्ता, साठानिओबिओ श्री रहमान।
- 2- श्री हीरा सिंह बिबट, नगर विधायक ।
- 3- नगर निगोजक, विकास प्राधिकरण ।
- 4- अपर जिलाधिकारी। प्रशासन।
- 5- सचिव, विकास प्राधिकरण। संयोजक।

(सचिव संयोजक)

विषय क्रमांक :- 6 :-

प्रिकंवर पैलेस के पास कार पार्किंग के सम्बन्ध में :-

निबन्ध

इस ~~सिद्धि~~ पर गठित समिति की निरीक्षण आख्या पर विचार करने के उपरान्त सर्व-सम्मति से इस बात पर सैद्धान्तिक सहमति हुयी कि प्रस्तावित स्थल पर कार पार्किंग का स्थल बनाया जाय जिस पर कम से कम 20 गाड़ियों के खड़ा रखने की व्यवस्था हो। इस कार्य की एक इकानामिक व टैक्नीकल की जिबिलिटी रिपोर्ट भी तैयार कर ली जाय। व्यय की प्रतिपूर्ति मसूरी में स्वीकृत किए जाने वाले मानचित्रों से बैटरमेन्ट चार्ज लेकर की जा सकती है।

।कार्यावाही अधिशासी अभियन्ता, विकास प्राधिकरण।

विषय क्रमांक :- 7 :-

श्री ओम सिंह चौहान एवं श्रीमती आशालता चौहान के भवन खसरा नं० 153, हरिद्वार रोड, देहरादून के भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क के संबंध में
आस्था :-

प्राधिकरण ने पुरनगत निर्माण को मौके पर जाकर देखा और मानचित्र से भिन्न व विपरीत निर्माण को देखते हुए तथा इसका उपयोग आवासीय से बदल कर व्यवसायिक करने के कारण सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि निम्नलिखित कम्पाउन्डिंग शूलक लेकर उपरोक्त द्वारा संशोधित मानचित्र स्वीकृत कर दिया जाय :-

§ 11 जितनी निम्नरित पाकिंग स्थान की कमी हो रही है उन्निच

उतनी भूमि का मूल्य ।

§ 12 सैट बैक्स को दवाने की पैनाल्टी ।

§ 13 ^{शु} उपयोग परिवर्तन शुल्क ।

यह श्राव्य पत्र भी लिखा जाय कि प्रथम तल का उपयोग केवल

आवासीय ही होगा ।

§ कार्यवाही उपाध्यक्ष/नगर नियोजक §

विषय क्रमांक :- 9 :-

कांबली में बस-स्टैण्ड हेतु प्रस्तावित स्थल को परिवर्तित करके
आवासीय में नियत करना :-

इस विषय पर समुचित निष्पत्ति लेने के लिए यह उपयुक्त समझा गया

कि पहले एक मानचित्र बना लिया जाय जिसमें प्रश्नगत बस स्टैण्ड की भूमि

व उसके आस-पास की स्थिति को स्पष्ट दशाति हेतु प्रस्तावित भूमि की स्थिति

को भी दिखाया जाय। अगली बैठक में मानचित्र सहित यह विषय पुनः प्रस्तुत

किया जाय ।

§ कार्यवाही सचिव/नगर नियोजक, विकास प्राधिकरण §

विषय क्रमांक :- 9 :-

देलीफोन रक्सर्वेज की दीवार के समीप स्थित मसुरी-देहरादून
विकास प्राधिकरण के कार-पाकिंग स्थल को कारों के प्रयोग हेतु
प्रथम वरीयता दिये जाने विषयक :-

सर्व-सम्बन्धित से यह निष्पत्ति हुआ कि दोनों अर्थात किसान लाल मेडिकल

स्टोर के सामने सड़क के किनारे ^{की} प्राधिकरण द्वारा विकसित स्थल पर कार

पाकिंग की जाय और इसका डेका प्राधिकरण द्वारा दिया जाय । तीन

घण्टे तक पाकिंग का रेट एक रुपया प्रतिघण्टा और उसके बाद 10 घण्टे तक

2/- व उसके आगे 5/- प्रति कार रखा जाय। ~~देलीफोन रक्सर्वेज के~~

~~ने~~ पास वाले स्थल के आधे भाग में मिलिट्री की गाडियां ~~रखी~~ होने दी

जाय। उनसे पाकिंग शुल्क लेने की बात सेना के संबंधित अधिकारियों से

सचिव व सिटी मजिस्ट्रेट ^{को अवगत करवाया} तब कर ली जाय ।

§ कार्यवाही सचिव विकास प्राधिकरण व सिटी मजिस्ट्रेट §

2003

विषय क्रमांक :- 10 :-

मलिन बस्तियों में फिर जा रहे अनधिकृत निर्माण कार्यों के संबंध में ।

11। सर्व-सम्पत्ति से निर्णय हुआ कि नगरपालिका क्षेत्र में मलिन बस्तियाँ में विकास कार्य नगरपालिका द्वारा किया जाय और पटालिका भूमि पर बने मकानों की भूमि का पट्टा ^{केन्द्र} तथा नगरपालिका के बाहर के क्षेत्र में बनी 12 मलिन बस्तियों में यह कार्य राजस्व विभाग द्वारा किया जाय । यह भी बताया गया नगरपालिका की सीमा में बाहर यह बस्तियाँ नदी के किनारे नदी तट पर या रिवर बैंड में ही बना ली गयी है। यह विदेशा टिप्पण कर कि राजस्व विभाग व गाँव समारं इस प्रकार मलिन बस्तियों के विस्तार पर रोक लगाएँ नहीं तो उनके अस्तित्व को बनाए रखने की समस्या उठ खड़ी होगी।

कार्यवाही जिलाधिकारी ^{केन्द्र} *Dr. Pooja Singh* ^{केन्द्र} *Dr. Pooja Singh*

12। यह भी निर्णय हुआ कि रेशी जिन 12 बस्तियों की सूची दी गयी है उनका पहले प्राधिकरण के स्टाफ से यह सर्वेक्षण करा लिया जाय कि प्रत्येक बस्ती का वर्तमान विस्तार कहां से कहां तक है, उसमें कितने मकान है व वहां किन-किन विकास कार्यों की आवश्यकता है तथा उनको अनुमानित लागत क्या होगी। तदुपरान्त अगली बैठक में गिार किया जायेगा ।

कार्यवाही अधिशासी अभियन्ता विकास प्रTO।

विषय क्रमांक :- 11 :-

ग्राम टाक पट्टी में प्राधिकरण द्वारा विकसित आवासीय भूखण्डों तक पहुँच मार्ग के लिए गाटा सं० 78 की भूमि के रूप पर विचार :-

यह बताया गया कि टाक पट्टी की गाटा सं० 69 से 76 व 78 ^{केन्द्र} 3645-64 वर्गीय क्षेत्र सीलिंग से सरपलस होने के कारण ^{केन्द्र} टिपटा गया था जिस पर आवासीय योजना तैयार की गयी है और भूमि का विकास कर वहां एलाट आवंटित किए गए हैं। मुख्य सड़क से इस स्थल तक पहुँचने के लिए एक सड़क ^{केन्द्र} बनायी ^{केन्द्र} है जो गाटा सं० 78 की शेष भूमि से गुजरती है। 2 भू-स्वामिनी शीमली यहल को 60/- व 100/- प्रतिवर्षीटर की दरों को बीच कोई मूल्य तय करने से पूर्व यह आवश्यक समझा गया कि जिलाधिकारी इस भूमि के सभी स्वामियों की वारित्विक स्थिति ज्ञात कर लें व यह भी देख लें कि यदि यह

भूमि जमींदारी उन्मूलन अधिनियम के प्राविधानों से प्रभावित है और प्राधिकरण को मिल सकती है तो तदनुसार कार्यवाही करें। इस संबंध में प्राधिकरण द्वारा उनको व तहसीलदार, देहरादून को लिखा भी जा चुका है।
कार्यवाही जिलाधिकारी &

विषय क्रमांक :- 12 :-

नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग, 30th लथमरु से प्राप्त फार्म डाऊस एवं रमलरि बिलिडिंग हेतु प्राप्त गाड्डे लाइन्स का अनुमोदन विषयक ।

गाड्डे लाइन्स पट्टी गभी व सर्व-सम्पत्ति से अनुमोदन प्रदान किया गया ।

विषय क्रमांक :- 13 :-

श्री० सिवरसोल कैम्पकल नियो को कुआबाला में स्पाट जोन करना :-

श्री० सिवरसोल कैम्पकल लिमिटेड द्वारा भासन को एक प्रस्तावेदन प्रस्तुत किया गया है जिसमें उनके द्वारा "उद्योग बन्दु" से निवेदन किया गया है कि सिवरसोल कैम्पकी को कुआबाला में स्पाट जोनिंग करा दिया जाय। उनके द्वारा अपने प्रस्तावेदन में अधिकांशतः यह आधार दिया गया है कि उनकी कैम्पकी से प्रदूषण बहुत कम होता है तथा प्रदूषण नियंत्रण की ओर उनकी कैम्पकी द्वारा हर सम्भव प्रयास किये जा रहे हैं। उनका यह प्रकरण नीति विषयक है अतः प्राधिकरण के ~~सिवरसोल~~ विचारार्थ प्रस्तावेदन मूल रूप में प्रस्तुत किया गया ।

उत्तर प्रदेश प्रदूषण बोर्ड के देहरादून स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के अध्यक्ष अधिकारी ने बताया कि इस समय जल प्रदूषण नियंत्रण की स्थिति संतोषजनक नहीं है क्योंकि कम क्षमता का प्लांट लगाया गया है और क्षमता बढ़ाने में 5 गाड्डे का समय लगेगा। उन्होंने यह भी बताया कि बाहु प्रदूषण भी अभी नियंत्रित नहीं है क्योंकि बाइलर्स व स्मिथी मरम्मत योग्य हैं। अतः प्रदूषण नियंत्रण कैम्पकी और है। उनके बारे में बैलर स्थिति देखनी होगी। अतः स्पाट जोनिंग विभाग इनको भी देख कर कुछ समय बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करें। स्पाट जोनिंग से पूर्व पर्यावरण विभाग की राय भी लेनी होगी ।

प्राधिकरण द्वारा गठित ~~स~~ विनियमिति समिति भी इस प्रश्न पर विचार कर रिपोर्ट प्रस्तुत करे। सहस्रधारा में स्थित नूना उद्योगों के सम्बन्ध में लिर गर निष्कर्ष को भी ध्यान में रखना होगा ।

कार्यवाही सचिव &

5.12.87

विषय क्रमांक :- 14 :-

नगर महासभोजनार्थ सड़क की पुरतानवित चौडाई हेतु कार्रवाई किने जाने का अनुमोदन ।

=====

सर्व-तन्मत से यह निर्णय हुआ कि प्रथम फेज में चकराता रोड की प्रभात सिनेमा से कृष्ण नगर चौराहे तक, हरिद्वार रोड की आरावर से रिसना नदी तक, गान्धी रोड को घण्टाघर से दर्शनलाल चौराहे तक महासभोजनार्थ में निर्धारित ^{क्षेत्र} तक चौडा किया जाय और इस कार्य को पूरा करने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग से व्यवधानुमत्त तैयार किया जाय ।

कार्रवाई- अधिशासी अभियन्ता, सटोनिविओ।

विषय क्रमांक :- 15 :-

भारती-देहरादून विकास प्राधिकरण का वित्तीय वर्ष 1987-88 का पुनरीक्षित बजट :-

वर्ष 1987-88 का बजट 16.2.87 की बैठक में पारित किया गया था। इसके बाद कतिपय बदलावों की स्थिति व आय के स्रोतों में कमी हो जाने के कारणों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण द्वारा प्रस्तुत पुनरीक्षित बजट पर विचार कर इसे सर्व-सम्मति से अनुमोदन किया गया। इसके अनुसार पुनरीक्षित आय 151-00 लाख रु0 व व्यय 148.20 लाख रु0 है जो व्यय अधिक राजपुर रोड व निरंजनपुर में अध्यापित की जा रही भूमि के तीन करोड़ रु0 प्रतिकर के कारण है जो प्राप्तन या डेडको से धन मिलने पर निर्भर करेगा। इसी प्रकार आवासीय परियोजनाओं के क्रियान्वयन में देवी लाने से अधिक व्यय संभावित है। वेतन भत्ते, भवन अंतराष्टा सुधार, बाहन क्रय व अंतराष्टा तथा विज्ञापन/प्रचार ~~म~~ मदों में क्रमशः 13.00 लाख रु0, 1.00 लाख रु0, 4 लाख रु0 व 1.50 लाख रु0 का संशोधित प्राविधान भी अनुमोदित किया गया। अधिवोटन व्यय कुल 31.25 लाख रु0 अनुमोदित हुआ व परियोजनाओं व्यय 417-95 लाख अनुमोदित हुआ।

कार्यवाही सचिव, लेखाकार, विकास प्राधिकरण।

विषय क्रमांक :- 16 :-

लक्ष्मण चौक राजपुर डालनवाला तथा अन्य आवासीय और व्यवसायिक परियोजनाओं हेतु डेडको द्वारा स्वीकृत भू-प्राप्त करने के लिये अनुबन्ध पत्रों पर हस्ताक्षर करने व अभिलेखों में कामनसील लगाने के लिये एक अधिकारी को अधिकृत किया जाना :-

अधिसूचना सर्वसम्मति से सम्बन्ध विचारोपरान्त यह निर्णय लिया गया कि डेडको व अन्य वित्तीय संस्थाओं से भू-प्राप्त करने के लिए तथा रेटेड गारन्टी या बैंक गारन्टी प्राप्त करने के लिये काउन्टर गारन्टी पर तथा डेडको या अन्य वित्तीय संस्थाओं के साथ निष्पादित होने वाले अनुबन्ध पत्रों पर हस्ताक्षर करने व कामनसील लगाने के लिये भूसुरी-देहरादून विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष/सचिव को ~~अधिकृत~~ अधिकृत किया गया।

अधिसूचना विकास प्राधिकरण के सदस्यों के सम्बन्ध कामनसील प्रस्तुत की गयी। इसका अनुमोदन किया गया और यह निर्णय लिया गया कि इस कामनसील को उपाध्यक्ष अपनी व्यक्तिगत अभिरक्षा में रखें। उपाध्यक्ष कामनसील का प्रयोग करने के लिये हमेशा अधिकृत रहेंगे। यह निर्णय उन अनुबन्ध पत्रों पर भी लागू

द्विगता जो इसके पूर्व निष्पादित किये जा चुके हैं।

✓ 181। यदि उपरोक्त के स्थान पर फिसबल सचिव विकास प्राधिकरण द्वारा कामनील का उपयोग करने हेतु हड़को अथवा अन्य किसी संस्था में जायेगी तो अपने साथ उपरोक्त का एक पत्र साथ में ले जायेगी।

काठवाड़ी सचिव।

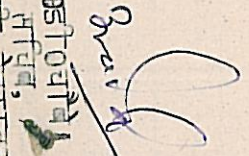
अन्व विषय क्रमांक 111 अध्याय की अनुमति से

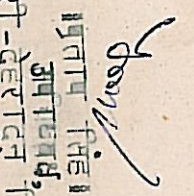
111। सहायक निदेशक पर्वटन ने यह अज्ञात कराया कि मसूरी में

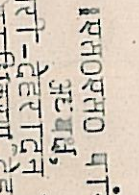
गढ़वाल मण्डल विकास निगम के लिए निर्माणा निगम द्वारा तैयार किए गए ट्रिस्ट कामनील की सबसे ऊपरी मंजिल पर छत डालने के कार्य की प्राधिकरण द्वारा रोकना दिया गया है। उन्होंने अनुरोध किया कि यह कार्य जारी रहने दिया जाय। युक्ति यह कामनील माल रोड पर है और युक्ति पर्वटन सचिव के कक्ष में अगस्त 1985 में हुयी बैठक में यह निर्णय लिया जा चुका था कि वरीधी मंजिल के ऊपर कोई काम नहीं किया जाएगा और छत बुनी रखी जाएगी तथा वर्तमान मिलने की ही बास्तुगला आकीटेक्टवर। ट्रिस्ट से सुन्दर रूप दे दिया जाएगा अतः यह सर्वसम्पत्ति थी कि छत न डाली जाय और इसे मुला ही रहने दिया जाय।

काठवाड़ी सहायक निदेशक पर्वटन।

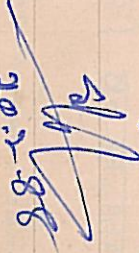
अन्त में अध्याय महोदय को धन्यवाद देने हुए बैठक समाप्त हुयी।


Gaur
मुख्यालय,
मसूरी-देहरादून विकास-
प्राधिकरण, देहरादून।


Gaur
मसूरी-देहरादून विकास-
प्राधिकरण, देहरादून।


Gaur
मसूरी-देहरादून विकास-
प्राधिकरण, देहरादून।

यदि मैं के बारे में अज्ञान हुआ है तो मैंने यह भी निर्दिष्ट किया था कि मैंने अज्ञान के लिए, सिविलीय और सिविलीय के डेप्युटी के लिए अज्ञान अज्ञान अज्ञान और अज्ञान सिविलीय के लिए अज्ञान अज्ञान।


20.2.88